भाषा-बोध

(हिंदी व्याकरण की पाठ्य-पुस्तक)

उत्तर-पुस्तिका
भाग (1 से 5)

शिक्षक सहायता किताब
हिंदी व्याकरण कक्षा-1

पाठ 1 – भाषा और व्याकरण (Language and Grammar)

आइए, अब लिखें-

1. क. हाँ ख. लिखित और मौखिक ग. हिंदी

2. क. गुजराती ख. तमिल
   ग. राजस्थानी घ. बांग्ला
   ङ. पंजाबी

3. क. भाषा व साधन है, जिसके द्‌वारा हम अपने मन में आए हुए विचारों को बोलकर अथवा लिखकर किसी के सामने प्रकट करते हैं।
   ख. भाषा के दो रूप हैं—
      1. मौखिक भाषा — बोली जाने वाली भाषा
      2. लिखित भाषा — लिखी जाने वाली भाषा
   ग. भाषा को शुद्‌ध रूप में बोलने व लिखने के नियमों को ही व्याकरण में सिखाया जाता है।

करके देखिए

- मौखिक, लिखित
- गुजराती, राजस्थानी, पंजाबी, तमिल।

पाठ 2 – वर्ण और वर्णमाला (Letter and Alphabet)

आइए, अब लिखें-

1. क. वर्ण ख. हलंत ग. अ

2. क. भाषा की वह छोटी-से-छोटी ध्वनि जिसे तोड़कर नहीं लिखा जा सकता, उसे वर्ण या अक्षर कहते हैं।
   ख. जब हम वर्णों को एक क्रम में लगा देते हैं, तो एक वर्णमाला बन जाती है; अर्थात् वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते हैं।
   ग. वर्ण दो प्रकार के होते हैं— 1. स्वर 2. व्यंजन।
   घ. हिंदी वर्णमाला में चार ऐसे वर्ण हैं, जो दो वर्णों के मिलने से बनते हैं—
      क्ष = क् + ष् त्र = त् + र्
      ज्ञ = ज् + ञ् श्र = श् + र्
      इन्हें संयुक्त वर्ण कहते हैं।

3. ताला, कप, बॉल, गमला, सेब, तोता, फूल, पेड़

क्रियात्मक कौशल

- काला, मकान, लौकी, लड्‌डू

- ख, घ, ङ
  छ, ज, झ
  ट, ड, ढ, ण
  थ, ध
  फ, भ।

पाठ 3 – मात्राएँ (Sign of Vowels)

आइए, अब लिखें–

1. क. हाँ ख. हाँ ग. नहीं घ. हाँ
2. क. ऐ — ै
   ख. आ — ा
   ग. इ — ि
   घ. ऊ — ू
   ङ. ए — े
3. क. व्यंजन के पहले लगने वाली मात्रा इ है।
   ख. ए, ऐ।
4. बिल्ली, मुर्गा, खरगोश, कुत्ता

करके देखिए

- पंजा, आँगन, आँवला
  काँटा, रंग, पतंग
  शंख, सिंदूर, आँख
  साँप, पंखा
- स्वंय कीजिए
- स्वयं कीजिए।

पाठ 4 – शब्द और वाक्य (Word and Sentence)

आइए, अब लिखें–

1. क. वर्णों के सही मेल से ख. शब्दों के सही मेल से ग. आवश्यक है
2. क. नितिन पानी पीता है।
   ख. कल मैं खेलने गया था।

करके देखिए

- नमक, जगमग
- क. श्यामा पढ़ती है।
  ख. कबीर पतंग उड़ा रहा है।

ग. नीरजा मिठाई खा रही है।

घ. श्यामा को मिठाई अच्छी लगती है।

ङ. नीरजा खेल रही है।

- जल, कलम, सरकस, तरकश, अजगर।

पाठ 5 – संज्ञा (Noun)

आइए, अब लिखें-

1. क. नाम ख. सर्वनाम ग. हाँ

करके देखिए

- बिल्ली, आइसक्रीम, पतंग, पलंग
- राजा, साबुन, देश, आम, नमक, मिर्च, मिठाई, रुमाल।

पाठ 6 – लिंग (Gender)

आइए, अब लिखें-

1. क. लिंग ख. हाँ ग. हाँ
2. मामा — मामी चाचा — चाची
   गुड्डा — गुड़िया माली — मालिन
   बंदर — बंदरिया धोबी — धोबिन
3. क. संज्ञा के जिस रूप से उसके स्त्री या पुरुष होने का पता चले, उसे लिंग कहते हैं। लिंग के दो प्रकार होते हैं— पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग।

   ख. जिन संज्ञा शब्दों से स्त्री जाति का पता चले, वे शब्द स्त्रीलिंग होते हैं।

   ग. जिन संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति का पता चले, वे शब्द पुल्लिग होते हैं।

करके देखिए

- बनाती, पढ़ता, रही है, गई
- नाना जी — फल लाते हैं।
  शेर — दहाड़ता है।
  रेल — छुक-छुक करती है।
  चिड़िया — उड़ रही है।
  धोबिन — कपड़े धोती है।
- दूल्हा — दुल्हन
  मोटा — मोटी
  काला — काली
  ठिगना — ठिगनी
  लंबा — लंबी।

पाठ 7 – वचन (Number)

आइए, अब लिखें-

1. क. एकवचन ख. बहुवचन ग. एकवचन
2. अनेक — एक
   एक — अनेक
   अनेक — एक।

करके देखिए

- एकवचन — चिड़िया, टब, टोकरी, चारपाई, पैसे, चाबी।
- बहुवचन — ताले, केले, टोकरियाँ, गुड़ियाँ, गुल्लकें, कारें।

पाठ 8 – सर्वनाम (Pronoun)

आइए, अब लिखें-

1. क. हाँ ख. सर्वनाम ग. नहीं
2. संज्ञा — हाथी, बंदर, जूता, बेलन, बोतल, राजा
   सर्वनाम — वह, हम, तुम, वे
3. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। जैसे— तुम, मैं।

करके देखिए

- मैं, यह, तुम
  उस, आप
- मैं, तुम, वे, यह।

पाठ 9 – विशेषण (Adjective)

आइए, अब लिखें-

1. क. विशेषण ख. हाँ
2. क. शर्बत — ठंडा
   ख. आचार — खट्टा
   ग. घास — हरी
   घ. चाय — गरम
   ङ. मिर्च — तीखी
   च. सागर — नीला

करके देखिए

- क.मीठे ख. पालतू ग. कम
  घ. हलका।
- मीठा, हरा, नया।

पाठ 10 – क्रिया (Adjective)

आइए, अब लिखें-

1.जानने, बदलकर, बैठी, बढ़

2. क. मिला   ख. खेलेंगे   ग. फाडी
 घ. खाई   ङ. खरीदी   च. पसंद है
 छ. सुनाई   ज. रहे हैं

3. क. गलत   ख. सही   ग. सही
 घ. सही   ङ. गलत

4. क. जाएगे   ख. लगा दी   ग. सुनाई
 घ. बंधी   ङ. गया।

5. क. जो शब्द किसी काम के करने या होने का बोध कराते है, वे क्रिया शब्द कहलाते है।

पाठ 11 – विलोम शब्द (Antonyms)

आइए, अब लिखें-

1. आय – व्यय   अच्छा – बुरा
 ऊपर – नीचे   मूर्ख – बुद्धिमान
 प्रश्न – उत्तर   न्याय – अन्याय
 आदर – निरादर   सरल – कठिन
 योग्य – अयोग्य   अमृत – विष

2. क. निरक्षर   ख. अवगुण
 ग. व्यय   घ. मूर्ख

3. क. जो शब्द एक दूसरे से ठीक उल्टा अर्थ देते हैं; उन्हें विलोम शब्द कहते हैं।
 ख. विपरीतार्थक शब्द।

पाठ 12 – पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

आइए, अब लिखें-

1. क. घर, गृह, आलय   ख. खग, पंछी, विहग   ग. पर्वत, गिरी, शैल

2. क. रात, रजनी, यामिनी   ख. प्रातः, सवेरा   ग. बाग, बगीचा, वाटिका
 घ. बंधु, दोस्त   ङ. काया, शरीर   च. प्राचीन, सनातन।

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।

शिक्षक सहायता किताब
हिंदी व्याकरण कक्षा-2

पाठ 1 – भाषा और व्याकरण (Language and Grammar)

आइए, अब लिखें–

1. क. लिखकर व बोलकर ख. दो
   ग. अलग–अलग होती है घ. भाषा के नियमों का
2. क. जिस साधन के द्‌वारा मनुष्य अपने भावों और विचारों को दूसरों को लिखकर या बोलकर बताता है, उसे भाषा कहते हैं।
   ख. जब हम बोलकर अपनी बात दूसरों तक पहुँचाते हैं, तो उसे मौखिक भाषा कहते हैं।
   ग. जापानी, रूसी, अंग्रेजी, फ्रेंच, इटैलियन, स्पेनिश।
   घ. जिस शास्त्र द्वारा भाषा को शुद्‌ध रूप से बोलना व लिखना सिखाया जाता है, उसे 'व्याकरण' कहते हैं।

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।

पाठ 2 – वर्ण और मात्राएँ (Letter and Sign of Vowels)

आइए, अब लिखें–

1. स्वर— अ, ऋ, ए, उ, ओ, ई
   व्यंजन— ट, न, फ, र, म, व
2. पलंग, अंगूर, बाँस, शंख
   फ्रॉक, डॉक्टर, हंस, बाँसुरी
   क्रमशः, प्रातः, अंक, दाँत
3. क. वह छोटी से छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े नहीं हो सकते, उसे 'वर्ण' कहते हैं।
   ख. जब कोई स्वर किसी व्यंजन के साथ लगता है तो वह एक चिह्न का रूप ले लेता है। ये चिह्न ही स्वर की मात्रा कहलाते हैं।

करके देखिए

- साबुन, टोकरी
  पपीता, लीची
  कृषक, समोसा
  हथौड़ा, तितली
- डर, डाली ढपली, पढ़ाई
  घड़ा, घड़ी ढ़क्कन, मेढ़क।

पाठ 3 – शब्द और वाक्य (Word and Sentences)

आइए, अब लिखें-

1. क. नहीं ख. हाँ ग. होता है
2. क. दो या दो से अधिक वर्णों से मिलकर जो सार्थक समूह बनता है, उसे शब्द कहते हैं।
   ख. वाक्य शब्दों के सार्थक मेल से बनते हैं।

करके देखिए

- हरि — ह् + अ + र् + इ
  दूध — द् + ऊ + ध् + अ।
  बालक — ब् + आ + ल् + अ + क् + अ
  पुस्तक — प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ।
- क. कल मैं बाजार गई थी।
  ख. कल विद्यालय बंद रहेगा।
  ग. प्रतिदिन व्यायाम किया करो।

पाठ 4 – संज्ञा (Noun)

आइए, अब लिखें-

1. क. मदर टेरेसा, महात्मा गाँधी
   ख. किताब, मेज
   ग. हाथी, शेर
   घ. मंदिर, विद्यालय
2. किसी वस्तु, स्थान, प्राणी या भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।

करके देखिए

- बुढ़ापा, गिलास, शलजम, चम्मच, मीना, मूली, चटनी, हाथी, रोहित, नमक।

पाठ 5 – लिंग (Gender)

आइए, अब लिखें-

1. मामा — मामी चाचा — चाची
   भय्या — बहन मोर — मोरनी
   चोर — चोरनी सेठ — सेठानी
2. क. मालिन ने फूल एकत्र किए।
   ख. नौकरानी ने भोजन बनाया।
   ग. अध्यापक ने कॉपियाँ जाँची।
   घ. दुल्हन ने वरमाला पहनाई।
3. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री जाति के होने का पता चलता है,

उसे लिंग कहते हैं। लिंग के दो भेद हैं— 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग।

करके देखिए

- स्त्रीलिंग — घड़ी, मोती, माला, छुरी, मौसमी

  पुल्लिंग — जेब, चाकू, घड़ा, केला, संतरा, कमीज, सेब।

पाठ 6 – वचन (Number)

आइए, अब लिखें-

1. झंडा — झंडे पुस्तक — पुस्तकें
   अंडा — अंडे परदा — परदे
   तौलिया — तौलिए गुल्लक — गुल्लकें
   चाबी — चाबियाँ रेल — रेलें
2. क. रही ख. गई ग. गया
   घ. रहे
3. शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या एक या एक से अधिक होने का पता चले, उसे वचन कहते हैं। वचन के भेद : वचन दो प्रकार के होते हैं— 1. एकवचन 2. बहुवचन।

करके देखिए

- एकवचन — गेंद, मुर्गी, चारपाई, बल्ला, तश्तरी, बस्ता, संतरी
- बहुवचन — साड़ियाँ, कमीजें, खिलौने, पतंगे, कुर्सियाँ, पुस्तकें
- बहुवचन, बहुवचन

  एकवचन, बहुवचन

  एकवचन, एकवचन।

पाठ 7 – सर्वनाम (Pronoun)

आइए, अब लिखें-

1. क. ✗ ख. ✗ ग. ✓ घ. ✓
2. क. हम ख. वे ग. तुम्हारा
   घ. उसकी
3. क. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, वे सर्वनाम कहलाते हैं।

करके देखिए

- क. उसने, मुझे

  ख. आप

  ग. वे

  घ. वह
- संज्ञा — शीना, स्वीटी, नीना, मोहित, पुष्प, कमल

- सर्वनाम — हम, वह, तुम, वह, उसका, आप
- उसको, उसके, उसको।

पाठ 8 – विशेषण (Adjective)

आइए, अब लिखें–

1. चंचल — तितली
   नीला — आसमान
   दयालु — परी
   शैतान — बंदर
   सच्ची — घटना
2. क. होशियार
   ख. नरम
   ग. ठंडी
   घ. दो किलोमीटर
3. संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

करके देखिए

- हरा, गोरा, बड़ा, छोटा, लाल।
- हरा — नीला — लंबी — कमजोर — दयालु — तेज — भारी — ऊँचा — ठिगना।

पाठ 9 – क्रिया (Verb)

आइए, अब लिखें–

1. क. दौड़ना ख. नाचना ग. गाना
   घ. सोना ङ. रोना
2. क. खाती है ख. कूदती है ग. खेलता है
   घ. लिखते हैं
3. जिन शब्दों से किसी काम के करने या होने का बोध हो, उन्हें क्रिया कहते हैं।

करके देखिए

- उड़ना, पढ़ना, गाना
  लिखना, देखना, तैरना
- क. बहती
  ख. भौंकता
  ग. खेलते
  घ. गुन-गुन।

पाठ 10 – अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitution)

- केवल पढ़ने के लिए

पाठ 11 – शुद्ध- अशुद्ध (Correct-Incorrect)

1. क. अशुद्धियों का मुख्य कारण होता है— व्याकरण के नियमों का सही ज्ञान न होना।
   ख. अशुद्ध
2. क. उसके प्राण सूख गए
   ख. यह काम किसने किया है?
   ग. विनय ने रोटी खाई।
   घ. मेरे चाचा जी आ गए।
   ङ. हमें भी पढ़ने दो।
   च. वो लोग आ गए है।
   छ. वो लोग वहाँ बैठे है।
   ज. मुझे बहुत दुख हुआ।
   झ. अध्यापक जी पढ़ा रहे है।
3. क. लडके
   ख. तोड़ा
   ग. उन घ. आया ङ पंखे घ. घर छ. पालतू

पाठ 12 – पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

आइए, अब लिखें-

1. क. शशि ख. नारी ग. रजनी घ. चमन
2. अग्नि — पावक, अनल, आग
   मित्र — सखा, बंधु, दोस्त
   कपड़ा— चीर, अंबर, वस्त्र
   पेड़ — तरु, वृक्ष, विटप
3. समान अर्थ वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं। जैसे—
   बगीचा— बाग, उपवन
   पेड़ — वृक्ष, तरु
   जल — नीर, पानी, आदि।

करके देखिए

- आकाश — आसमान
  शरीर — काया
  वायु — समीर
  भगवान — हरि
  पर्वत — पहाड़
  जल — पानी
- खुशी — आनंद
  रात — रजनी

मित्र — दोस्त

नारी — महिला।

पाठ 13 – विलोम शब्द (Antonyms)

आइए, अब लिखें-

1. आदर — निरादर
   ठंडा — गर्म
   खुशबू — बदबू
   पाप — पुण्य
   दूर — पास
   स्वस्थ — अस्वस्थ
2. खरा — खोटा
   ज्ञान — अज्ञान
   मौखिक — लिखित
   छोटा — बड़ा
   अपना — पराया

पाठ 14 – कुछ अन्य शब्द (Some Other Words)

लिखिए

कुछ-कुछ, धीरे-धीरे

दिन × रात, ठंडा × गरम

उलट-पलट, भाग-दौड़

शिक्षक सहायता किताब
हिंदी व्याकरण कक्षा-3

पाठ 1 – भाषा और व्याकरण (Language and Grammar)

आइए, अब लिखें-

1. क. दो ख. हिंदी ग. 14 सितंबर को
   घ. देवनागरी
2. मलयालम — केरल
   कन्नड़ — कर्नाटक
   तेलुगु — आंध्रप्रदेश
   मराठी — महाराष्ट्र
   गुजराती — गुजरात
   पंजाबी — पंजाब

3. क. क्षेत्रीय　　ख. 1947　　ग. रोमन

घ. भाषा

करके देखिए

- कविता सुनाना　　(मौखिक)

  उत्तर लिखना　　(लिखित)

  पत्र पढ़ना　　(मौखिक)

  टी० वी० या समाचार सुनना　　(मौखिक)

  निबंध लिखना　　(लिखित)

पाठ 2 – वर्ण (Letters)

आइए, अब लिखें-

1. क. अनुनासिक　　ख. अनुस्वार　　ग. अनुस्वार

   घ. अनुनासिक　　ङ. अनुनासिक　　च. अनुस्वार

2. क. त्र　　ख. त्त　　ग. क्ख

   घ. क्क　　ङ. ज्ञ　　च. च्छ

   छ. क्ष　　ज. व्य　　झ. ख्त

3. क. सबसे छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े, न हो सकें 'वर्ण' कहलाती है।

   ख. चार प्रकार के।

   ग. जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी अन्य वर्ण या बिना किसी ध्वनि की सहायता से किया जाता है, उन्हें स्वर कहते हैं।

   घ. जिस स्वर के उच्चारण में कम समय लगता है, उसे ह्रस्व स्वर कहते हैं जैसे– अ, इ, उ, ऋ। जबकि जिस स्वर के उच्चारण में अधिक समय लगता है, उसे दीर्घ स्वर कहते हैं जैसे- आ, ई, ऊ, ऐ, आदि।

   ङ. जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरों की सहायता ली जाती है, उन्हें व्यंजन कहा जाता है। ये पाँच प्रकार के होते हैं।

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।

पाठ 3 – शब्द और वाक्य (Word and Sentences)

आइए, अब लिखें-

1. क. वर्षा हो रही थी।

   ख. मीना नाराज हो गई थी।

   ग. मुझे परीक्षा की तैयारी करनी है।

   घ. झूठ बोलना अच्छी बात नहीं है।

2. क. ईठामि — मिठाई घ. रनाअ — अनार
   ख. लाके — केला ङ. मीमौस — मौसमी
   ग. लवचा — चावल

3. क. दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।
   ख. शब्दों के सार्थक मेल को वाक्य कहते हैं।

करके देखिए

- नींबू, बैंगन, मूली
  शरबत, तरकश, मठरी, कुर्ता
- चाय — वाय रोटी — वोटी
  दाल — वाल पानी — वानी
  चम्मच — वम्मच चित्र — वित्र
  पहाड़ — वहाड़ दुकान — सुकान
- कील, लड़का।

पाठ 4 - संज्ञा (Noun)

आइए, अब लिखें-

1. क. सौंदर्य ख. रामदेव ग. तीन
2. पुस्तक, गेंद, मिठाई, मेज, पेन, लालकिला
3. क. बालक — व्यक्तिवाचक संज्ञा
   ख. मछली — जातिवाचक संज्ञा
   ग. दिल्ली — व्यक्तिवाचक संज्ञा
   घ. मिठाई — व्यक्तिवाचक संज्ञा
   ङ. सुंदरता — भाववाचक संज्ञा
   च. गाय — जातिवाचक संज्ञा
4. क. जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का पता चलता है, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे- राहुल, मीना, पानीपत, गंगा, आदि।
   ख. जिन संज्ञा शब्दों से किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण-दोष, स्थिति या भाव आदि का पता चलता है, वे शब्द 'भाववाचक संज्ञा' कहलाते हैं; जैसे- सुंदरता, बचपन, निर्बलता, कठोरता, मिठास, ईमानदारी, आदि।

पाठ 5 - लिंग (Gender)

आइए, अब लिखें-

1. पर्वत — पुल्लिग नदी — स्त्रीलिंग
   राजकुमारी — स्त्रीलिंग गाँव — पुल्लिंग
   सेविका — स्त्रीलिंग राजा — पुल्लिंग

2. क. रानी डर गई।

ख. कटोरा गिर गया।

ग. यह थाल गंदा है।

घ. नाला बह रहा था।

3. देवी — देवता रानी — राजा

नौकारानी — नौकर दादी — दादा

चाची — चाचा मालिन — माली

करके देखिए

- स्त्रीलिंग — चटाई, घोड़ी, चुहिया, प्याज, मूली, गधी, पुड़िया, मिर्च

  पुल्लिंग — फर्श, जूता, मोजे, जाल, अखबार, कागज, नमक, धूप।

पाठ 6 - वचन (Number)

आइए, अब लिखें-

1. क. वचन ख. एकवचन ग. बहुवचन

2. पुस्तक — पुस्तकें कुर्सी — कुर्सियाँ

   पेंसिल — पेंसिलें रोटी — रोटियाँ

   चिड़िया — चिड़ियाँ नदी — नदियाँ

   पौधा — पौधे माला — मालाएँ

3. क. तौलिए फट गए हैं। ख. सोफों पर धूल है।

   ग. कमरे काफी बड़े हैं। घ. गाएँ चर रही हैं।

4. क. जो संज्ञा शब्द संख्या में एक होने का बोध कराते हैं, एकवचन कहलाते हैं; जैसे— पुस्तक, गुब्बारा, मछली, आदि।

   ख. जो संज्ञा शब्द संख्या में एक से अधिक होने का बोध कराते हैं, बहुवचन कहलाते हैं; जैसे— पुस्तकें, गुब्बारें, मछलियाँ, आदि।

करके देखिए

- क. पुस्तकें ख. बेटे ग. माँ घ. गाय
- ख. डॉक्टर ने दवाइयाँ लिखकर दीं।

  ग. मैंने अपनी आँखें बंद कर ली।

  घ. तालाब में मछलियाँ तैर रही हैं।
- एकवचन — मुर्गी, चिड़िया, मोमबत्ती, बताशा, चारपाई, झाड़ू, सीढी, छलनी

  बहुवचन — तोते, सुराहियाँ, नदियाँ, सीकें, लड़कियाँ।

पाठ 7 – सर्वनाम (Pronoun)

आइए, अब लिखें-

1. क. सर्वनाम ख. सब नामों के
2. क. वह ख. तुम ग. यह
   घ. हमारा
3. क. मैं खाना खा रहा हूँ। ख. वह स्कूल जा रहा है।
   ग. तुम बाजार कब जाओगे? घ. हम कल घूमने गए थे।
4. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें 'सर्वनाम' कहते हैं।

करके देखिए

- संज्ञा — सर्वनाम
  कुत्ता — हम
  पेंसिल — कौन
  मोती — उसका
  बंदर — वह
  चम्मच — उसने
  रोटी, चारपाई — यह
- क. मैं ख. तुम्हें ग. वह
  घ. हम, हमें

पाठ 8 – विशेषण (Adjective)

आइए, अब लिखें-

1. क. विशेषण ख. विशेष्य
2. स्वयं कीजिए
3. संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

करके देखिए

रट्टू — तोता
सुरीली — कोयल
विशाल — हाथी
वफादार — कुत्ता
काला — कौआ
शैतान — बंदर
हिंसक — बाघ
जहरीला — साँप।

पाठ 9 – क्रिया (Verb)

आइए, अब लिखें-

1. क. क्रिया ख. ये सभी
2. क. सुनाओ ख. सुनाऊँगा ग. टूट गया
   घ. जाता हूँ ङ. देखने, दुखने लगीं
3. मैं नदी में तैरूँगी।
   तुम चाय बनाओ।
   वह गीत सुन रहा है।
4. रोना — रुलाना
   जागना — जगाना
   हँसना — हँसाना
   उड़ना — उड़ाना
   खेलना — खिलाना
   माँगना — मँगाना
5. भाग — भागना कह — कहना डाँट — डाँटना
   पी — पीना बोल — बोलना चीख — चीखना
   सो — सोना पूछ — पूछना बता — बताना।

पाठ 10 – काल (Tense)

1. क. आएगा ख पढ़ती थी ग. नाच रहा है घ. जा रहा है ङ. मनाई
2. क. वर्तमान काल ख. भविष्य काल ग. भूतकाल घ. भविष्य काल ङ. भविष्य काल
3. क. क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने या करने के समय का पता चलता है, उसे काल कहते है।
   ख. क्रिया का वह रूप, जिसमें काम वर्तमान या चल रहे समय में संपन्न होता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं। क्रिया के जिस रूप से उसके बीते हुए समय में होने का बोध हो, उसे भूतकाल है।
   ग. क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि कार्य आने वाले समय में होगा उसे भविष्य काल कहते है। उदाहरण : कंचन गाना गाएगी।

करके देखिए-

क. मैं घर जा रहा हूँ।

ख. सीता पत्र लिख रही थी।

ग. मधु खाना खाएगी।

घ. अनु पुस्तक पढ़ रही है।

ङ. सुनीता ने भजन गाया था।

पाठ 11 – अशुद्धि शोधन (Correction of Errors)

आइए, अब लिखें-

1. क. सुबह ख. वर्षा
2. क. झंडा, मुसीबत, बीमार, लाचार
3. क. मुझे दो दिन की छूट्टी चाहिए।

   ख. हमें कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए।

   ग. सच्चाई कभी छुप नहीं सकती।

   घ. तुम्हें रोज पढ़ाई करनी होगी।

करके देखिए

- स्वयं कीजिय।

पाठ 12 – विलोम शब्द (Antonyms)

आइए, अब लिखें-

1. क. अंधकार ख. कायर
2. क. मीठा — कड़वा ख. कोमल — कठोर

   ग. मुलायम — सख्त घ. तेज — धीमा

   ङ. मालिक — नौकर च. हँसना — रोना

   छ. पास — दूर ज. देश — विदेश
3. क. नया ख. हारे ग. पतला

   घ. आलस
4. प्रकाश — अंधकार

   वीर — कायर

   ताजा — बासी

   डरपोक — निडर

   उदय — अस्त

   विश्वास — अविश्वास

करके देखिए

- क. राम-श्याम मित्र हैं लेकिन राम धनी और श्याम निर्धन है।

  ख. हमें सुख-दु:ख में अपनों का साथ देना चाहिए।

  ग. हमे दूसरों का भला करना चाहिए कभी भी किसी का बुरा मत करो।

घ. हमें जीवन में मित्र बनाने चाहिए, शत्रु बनाना अच्छी बात नहीं होती।

पाठ 13 – पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

आइए, अब लिखें–

1. क. ध्वज, पताका ख. पेड़
2. माता — माँ, जननी
   पर्वत — पहाड़, गिरि
   राजा — नरेश, भूपति
   उपवन — बगीचा, बाग
   चंद्रमा — शशि, मंयक
   कृष्ण — श्याम, मोहन
3. जल — अमृत
   गाय — गान
   साँप — केतु
   मनुष्य — सम्राट

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।

पाठ 14 – शब्दों के जोड़े (Pair of Words)

उपर्युक्त शब्दों जैसे तीनों तरह के तीन-तीन शब्द लिखिए–

1. पास–पास बड़ा × छोटा उलट–पलट
   तेज–तेज चतुर × मूर्ख उछलना–कूदना
   पीला–पीला अगला × पिछला उठना–उठाना

पाठ 15 – समूहवाची शब्द (Collection Words)

- केवल पढ़ने के लिए

पाठ 16 – अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitution)

आइए, अब लिखें–

1. क. शहरी
   ख. दर्शक
   ग. जलचर
   घ. गायक
   ङ. अध्यापिका
2. क. आकाश में रहने वाले जीव

ख. सेना में काम करने वाला

ग. सुनने वाले

घ. वनों में रहने, व उड़ने वाले जीव

ङ. वाहन चलाने वाला

करके देखिए

- क. जो मिठाई बनाता है — हलवाई
  ख. जो डाक लाता है — डाकिया
  ग. जो इलाज करता है — डॉक्टर
  घ. जो परिश्रम करता है — परिश्रमी
  ङ. जो आज्ञा मानता है — आज्ञाकारी
  च. जो मांस खाता है — मांसाहारी

पाठ 17 – मुहावरे (Idioms)

आइए, अब लिखें-

1. क. चाल बदलना
   ख. चुराना
   ग. बहुत समय के बाद मिलना
   घ. धन न होना
   ङ. शक होना
2. क. उल्लू बनाना — मूर्ख बनाना
   ख. चंपत होना — भाग जाना
   ग. विष घोलना — बुराई करना
   घ. काला अक्षर भैंस बराबर — अनपढ़
   ङ. गागर में सागर — थोड़े शब्दों में बहुत कहना

करके देखिए

- क. कान पर जूँ न रेंगना – ध्यान न देना।

  माला के कानों पर जूँ नहीं रेंगती कि वो परीक्षा के लिए पढ़ाई कर ले।

  ख. कान पकड़ना – अपनी भूल स्वीकार कर भविष्य में वैसी बात न करने की प्रतिज्ञा करना।

  मोहन ने बड़ों का कहना नहीं माना और मोटर साइकिल से गिर गया तभी मोहन ने कान पकड़ लिए।

  ग. कान खड़े होना – सावधान होना।

  सड़क पर चलते समय हमारे कान खड़े होने चाहिए जिससे हम दुर्घटना से बच सकें।

  घ. आँखों का तारा – अत्यंत प्रिय।

राम अपनी तीनों माँ और पिता के आँखों के तारे थे।

ङ. खून सूखना – भय से पीला पड़ना।

रमेश के एकदम गिरने पर मेरा खून सूख गया था।

च. गले लगाना – प्रेम करना।

मेरा मित्र बहुत दिनों बाद मिला तो मैनें उसे गले लगा लिया।

छ. टाँग अड़ाना – फिजूल दखल देना।

कुछ लोगों को दूसरों के बीच में टाँग अड़ाने की आदत होती है।

- स्वयं कीजिए।

शिक्षक सहायता किताब
हिंदी व्याकरण कक्षा-4

पाठ 1 – भाषा और व्याकरण (Language and Grammar)

आइए, अब लिखें-

1. क. ✗ ख. ✓ ग. ✗ घ. ✓
2. क. हिंदी ख. रोमन ग. दो घ. व्याकरण
3. क. अपने मन के भावों और विचारों को कभी बोलकर या कभी लिखकर प्रकट करने के साधन को भाषा कहते हैं।

   ख. मौखिक ध्वनियों के लिखित रूप को प्रकट करने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को लिपि कहते हैं।

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।

पाठ 2 – वर्ण विचार (Phonology)

आइए, अब लिखें-

1. क. वर्ण है ख. अक्षर है ग. वर्ण

   घ. नहीं हो सकते
2. क. राम ख. माता ग. जगह

   घ. पुस्तक
3. क. अं, अँ तथा अः

   ख. व्यंजन के साथ चिह्न रूप में जुड़ने वाले स्वर ही मात्रा कहलाते हैं।

करके देखिए

- क. क्षमा, क्षत्रिय, क्षेत्र
  ख. त्रिशूल, त्रिदेव, त्रिलोक
  ग. हॉल, चॉकलेट, कॉफी
  घ. रूप, रूस, जरूर
  ङ. रुपया, रुमाल, रुआँसा
  च. ज्ञानी, यज्ञ, ज्ञाता
  छ. अंगूर, अंग, रंग
- गुलाब, चमेली
  सूरजमुखी, गुड़हल

पाठ 3 – शब्द विचार (Morphology)

आइए, अब लिखें-

1. क. एक अर्थ ख. सार्थक ग. वर्णों से घ.दो प्रकार के
2. क. रात — रात्रि ख. घी — घृत
   ग. पूत — पुत्र घ. माँ — मातृ
   ङ. पाँच — पंञ्च च. घर — गृह
   छ. हाथ — हस्त ज. हाथी — गज
3. क. अंगुष्ठ — अगूंठा ख. रात्रि — रात
   ग. कच्छप — कश्यप घ. ग्रंथि — गला
   ङ. आम्र — आम च. क्षेत्र — स्थान
4. क. वर्णों का वह सार्थक मेल, जिसका एक निश्चित अर्थ हो, शब्द कहलाता है।
   ख. जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं होता, उन्हें निरर्थक शब्द कहते हैं; जैसे- वोटी, वाय, वानी, आदि।

करके देखिए

- पुस्तक, पुष्प, सुमन, हाथी, थाली
- डाली, लीची, चीनी।

पाठ 4 – वाक्य विचार (Syntax)

आइए, अब लिखें-

1. क. वाक्य ख. नाचता है ग. दो
2. क. मोर नाच रहा है। मोर नाच रहा है।
   ख. तमन्ना पुस्तक पढ़ती है। तमन्ना पुस्तक पढ़ती है।
   ग. बच्चा सो गया। बच्चा सो गया।

घ. कृष्ण ने कंस को मारा। कृष्ण ने कंस को मारा।

ङ. नेता भाषण देता है। नेता भाषण देता है।

3. क. शब्दों के पारस्परिक मेल, को जिससे पूर्ण अर्थ प्रकट हो, उसे 'वाक्य' कहते हैं।
वाक्य के अंग : वाक्य के निम्नलिखित दो अंग होते हैं— 1. उद्देश्य 2. विधेय।

ख. रचना के आधार पर वाक्य निम्नलिखित तीन प्रकार के होते हैं— 1. सरल वाक्य 2. संयुक्त वाक्य 3. मिश्रित वाक्य।

ग. प्रयोग के आधार पर वाक्य निम्नलिखित आठ प्रकार के होते हैं—

1. विधानार्थक वाक्य — उदाहरण : पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है।
2. प्रश्नवाचक वाक्य — उदाहरण : तुम्हारा क्या नाम है?
3. निषेधात्मक वाक्य — उदाहरण : दिलीप से काम नहीं किया जाता।
4. आज्ञार्थक वाक्य — उदाहरण : कृपया पत्र का उत्तर शीघ्र दें।
5. इच्छार्थक वाक्य — उदाहरण : ईश्वर करे तुम्हें हर काम में सफलता प्राप्त हो।
6. संकेतार्थक वाक्य — उदाहरण : बिजली आएगी तो अंधकार दूर होगा।
7. संदेहार्थक वाक्य — उदाहरण : शायद आज वर्षा होगी।
8. विस्मयादिबोधक वाक्य — उदाहरण : अहा! कितना संदर फूल है।

क्रियात्मक कौशल

- स्वयं कीजिए।

पाठ 5 – संज्ञा (Noun)

आइए, अब लिखें–

1. क. नाम ख. पुरूषवाचक ग. दोनों
घ. महाभारत

2. क. व्यक्तिवाचक संज्ञा ख. व्यक्तिवाचक संज्ञा ग. भाववाचक संज्ञा
घ. भाववाचक संज्ञा ङ. भाववाचक संज्ञा

3. क. पढ़ाई ख. ईंद ग. हरिद्वार
घ. लाल

4. क. भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun) — जो संज्ञा शब्द किसी गुण, दशा या भाव का बोध कराए, उसे 'भाववाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे–बुढ़ापा, सुंदरता, मित्रता, गरीबी, बचपन, आदि।

ख. व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun) — जिस संज्ञा से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान का बोध हो, उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे–सरदार पटेल, ताजमहल, दूरदर्शन, ईद, आदि।

करके देखिए

- लक्ष्मीबाई, कलम, पीपल,
मेज, हिरन, अदरक, आम, पेड़।

आइए, अब लिखें-

1. क. लिंग ख. पुरूष ग. स्त्रीलिंग
2. क. प्रिया — प्रिय ख. ठाकुर — ठकुराइन
   ग. याचक — याचिका घ. जाटनी — जाट
   ङ. बहनोई — बहन च. सास — ससुर
3. पुल्लिग — कागज, चूहा, माली
   स्त्रीलिंग— नाव, मोती, पकौड़ी, नदी, पेसिंल, चटनी
4. क. वर — वधू ख. पुत्र — पुत्री
   ग. नर — नारी घ. शिष्य — शिष्या
   ङ. चोर — चोरनी च. घोड़ा — घोड़ी
   छ. डिब्बा — डिब्बी ज. लोहार — लोहारिन
5. क. गई ख. गए ग. लगी
   घ. पड़ी
6. क. चिड़ी ख. गायिका ग. पड़ोसिन
   घ. धोबी ङ. बालिका
7. क. कुरसी — स्त्रीलिंग ख. आकाश — पुल्लिग
   ग. बादल — पुल्लिग घ. धरती — स्त्रीलिंग
   ङ. पेड़ — पुल्लिग च. पानी — पुल्लिग
   छ. पर्वत — पुल्लिग ज. हवा — स्त्रीलिंग
   झ. पौधा — पुल्लिग ञ. आग — स्त्रीलिंग
8. क. हिरन — हिरनी ख. छात्रा — छात्र
   ग. लड़का — लड़की घ. पुत्र — पुत्री
   ङ. पिता — माता च. बेटा — बेटी
   छ. गाय — बैल ज. मुरगा — मुरगी
9. क. शब्द के जिस रूप से यह जाना जाए कि यह पुरूष जाति के लिए प्रयुक्त हुआ है अथवा स्त्री जाति के लिए, उसे 'लिंग' कहते हैं।
   ख. 1. पुल्लिंग— पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं; सोनू, रमन, बस्ता, जीना, कपड़े, आदि।
   2. स्त्रीलिंग— स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं; जैसे- शालू, छत, बारिश, कॉपियाँ, माँ, आदि।

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।
- स्वयं कीजिए।
- स्वयं कीजिए।

पाठ 7 – वचन (Number)

आइए, अब लिखें-

1. क. वचन ख. एकवचन ग. पुस्तक
2. एकवचन — छुरी, मेज, टोकरी, साड़ी, चूहा, मोमबत्ती, इस्तरी, कंचा
   बहुवचन — झंडे, पंतगें, चूड़ियाँ, चम्मचें, थालियाँ, मेंजें, साड़ियाँ, कॉपियाँ।
3. क. उसकी साड़ियाँ नई थीं।
   ख. उसने मिठाई खाई।
   ग. कुर्सियाँ बाहर रख दो।
   घ. कलशों में जल भर कर लाओ।
4. 1. एकवचन — शब्द के जिस रूप से उसके एक होने का पता चलता है, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे— कुर्सी, चूड़ी, खिड़की, आदि।
   2. बहुवचन — शब्द के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे बहुवचन कहते हें; जैसे— कुर्सियाँ, चूड़ियाँ, खिड़कियाँ, आदि।
5. क. नये, कपड़े ख. युवती, कंगन ग. जंगलों
   घ. गुच्छों
6. क. बहुवचन ख. बहुवचन ग. एकवचन
   घ. एकवचन ङ. एकवचन

करके देखिए

- बूँदें, किताबें, कॉपियाँ, चीजें, कपड़े
- क. फलों में मिठास है।
  ख. माँ ने पालक की रोटियाँ बनाई।
  ग. मेहमान को माला पहनाई और मिठाईयाँ खिलाई।
  घ. बच्चे खेल रहे हैं।
  ङ. खिलाड़ी दौड़ रहे हैं।

पाठ 8 – कारक (Number)

1. क. उर्पुक्त मे से कोई नही
   ख. आठ ग. ने घ. अधिकरण कारक के ङ. अपादान कारक का
2. क. सेठ ने नौकर को बुलाया।

ख. राम न कविता पढ़ी। ग. पेड़ पर चिड़ियाँ बैठी है। घ. मेरे पास आओ।

3. क. कारक चिन्ह को विभिक्त चिन्ह कहते है।

ख. करण का विभक्ति चिन्ह 'से, के द्वारा' है और अपादान का विभक्ति चिन्ह 'से (अलग होना)' है।

ग. वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के दूसरे शब्दों का संबंध पता चलता है, उसे कारक कहते हैं।

करके देखिए-

स्वयं कजिए–

पाठ 9 - सर्वनाम (Pronoun)

आइए, अब लिखें-

1. क. सर्वनाम ख. संक्षिप्तता लाने हेतु ग. निश्चयवाचक
2. क. तुम ख. वह ग. आप
   घ. अपनी
3. क. वह ख. वे, स्वयं ग. स्वयं
   घ. वह
4. क. किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध कराने वाले सर्वनाम, निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे— यह, वह, आदि।

   ख. प्रश्न पूछने के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग किया जाता है, वे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे—कौन-कौन, किससे, आदि।

करके देखिए

- संज्ञा — गुल्लक, पत्ता, हवा, कलश, वृक्ष, कुम्हार।
  सर्वनाम — मै, हम, वह, तुम, आप, तू।

पाठ 10 - विशेषण (Adjective)

आइए, अब लिखें-

1. क. विशेषण ख. विशेष्य ग. मेधावी घ. संख्यावाचक
2. क. युवती — आकर्षक
   ख. संगीत — मधुर
   ग. सूचना — शुभ
   घ. जंगल — घना
   ङ. झंडा — तिरंगा
3. क. महान — आदमी ख. कटु — वचन

ग. जंगली — हाथी घ. ऊँचा — पहाड़

ङ. अनेक — तितलियाँ च. दिव्य — ईमारत

छ. तेज — हवा ज. सुंदर — युवती

झ. धीमा — कछुआ ञ. क्रूर — राजा

4. क. गुणवाचक विशेषण (Qualitative Adjective) — जो विशेषण शब्द किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण, दोष, रंग, आकार, प्रकार, अवस्था, स्थिति, आदि की विशेषता का बोध कराएँ, उन्हें 'गुणवाचक विशेषण' कहते हैं; जैसे— अच्छा लड़का, बनारसी पान, लंबा पुल, खुरदुरा पत्थर।

ख. परिमाणवाचक विशेषण (Quantitative Adjective) — किसी संज्ञा की नाप-तोल संबंधी विशेषता बताने वाले शब्द को परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे— चार मीटर कपड़ा, दो लीटर दूध, आदि। परिमाणवाचक विशेषण के भी दो भेद होते हैं:-
(अ) निश्चित परिमाणवाचक (ब) अनिश्चित परिमाणवाचक।

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।

पाठ 11 - क्रिया (Verb)

आइए, अब लिखें-

1. क. क्रिया ख. वर्तमान काल ग. हो रही है
2. क. शरारत करना ख. रोना ग. बनाना घ. पढ़ना
3. क. थे ख. दिया ग. बनवाया घ. जड़वाए
4. क. जिन पदों से किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है, उन्हें क्रिया कहते हैं। क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। खा, चल, बैठ, उठ, सो, पढ़, लिख, आदि क्रिया के मूल रूप हैं।

ख. काल के तीन रूप हैं—

1. भूतकाल 2. वर्तमान काल 3. भविष्यत् काल

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।

पाठ 12 - काल (Tense)

1. क. काल ख. तीन ग. भूतकाल

घ. वर्तमान काल ङ. आने वाला समय

2. क. वर्तमान काल ख. भविष्यत् काल

ग. वर्तमान काल घ. भूतकाल ङ. भविष्यत् काल

3. क. परिभाषा : क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने या करने के समय का बोध हो उसे काल कहते है।

ख. काल के तीन भेद होत हैं– 1. भूतकाल 2. वर्तमान काल 3. भविष्यत् काल

ग. वर्तमान काल– सविता विद्यालय जा रही है।, नेहा भोजन कर रही है।, बारिश हो रही थी।

ङ. भविष्यत् काल– सविता विद्यालय जाएगी।, नेहा भोजन करेगी।, शायद बारिश होगी।

करके देखिए-

क. राम कल बाजार गया था।

ख. रमेश काम पूरा कर रहा है।

ग. क्या अनुज कल स्कूल जाएगा।

घ. रवि कब पास हुआ था?

ङ लखन दौड़ पूरी कर रहा है।

च. क्या भारत राम को हरा देगा?

पाठ 13 – शब्द भंडार (Vocabulary)

आइए, अब लिखें-

1. क. प्रार्थना ख. दोनों ग. वस्त्र, आकाश
   घ. कोई नहीं
2. आम्र, खग, मयूर, उल्लू।
3. क. गो — गाय ख. मयूर — मोर
   ग. भ्रातृ — भाई घ. काक — कौआ
   ङ. वानर — बंदर च. शाक — सब्जी
   छ. क्षीर — खीर ज. दधि — दही
   झ. नृत्य — नाच ञ. अक्षि — आँख
4. क. शर्मिला कामचोर है। ख. नीलेश परिश्रमी है।
   ग. शशि के भाई मूर्तिकार हैं। घ. यह काम सुगम है।
5. कविता लिखने वाला — कवि
   जल में रहने वाला — जलचर
   नीचे लिखा हुआ — निम्नलिखित
   साथ पढ़ने वाला — सहपाठी
6. ऐसे शब्द, जो अनेक शब्दों के बदले प्रयोग किए जा सकते हैं; अनेक शब्दों के लिए एक शब्द नाम से जाने जाते हैं।
7. प्रेम — प्रीति
   प्रातः — सुबह
   आकाश — अंबर

पुत्र — सुत

नदी — सलिला

8. जल, नीर, पेय

महिला, स्त्री, अबला

पेड़, तरु, विटप

प्रभु, हरि, भगवान

9. उत्तर × प्रश्न — सुर × असुर

आशा × निराशा — अंधकार × प्रकाश

कठिन × सरल — अमृत × विष

शांति × अशांति — पतझड़ × बहार

10. क. कायर

ख. दु:ख

ग. शांति

11. क. गृह ख. समान

ग. बाहर घ. नीड़

ङ. दिन

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।

पाठ 14 – विराम-चिह्न (Punctuation Marks)

आइए, अब लिखें-

1. क. रुकना ख. (,) ग. विस्मयादिबोधक

घ. पूर्ण विराम

2. क. क्या तुम राजमा-चावल खाओगे?

ख. अरे! तुमने यह क्या किया?

ग. वाह! आज तो तुम्हें पूरे अंक मिले हैं।

घ. हमारे देश का नाम भारत है।

ङ. मेरे पास हरी, पीली, नीली, और गुलाबी पतंगे हैं।

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।

पाठ 15 – मुहावरे (Idioms)

आइए, अब लिखें-

1. क. डरकर भाग जाना ख. बहुत प्यारा ग. एकमात्र सहारा

घ. बहुत चतुर होना

2. क. हाथ खाली होना – (धन का अभाव)

बेटी के विवाह के वक्त अगर हाथ खाली हो तो कितनी चिंता होती है।

ख. जी चुराना – (परिश्रम से बचना)

काम से जी मत चुराओ वरना कभी आगे नहीं बढ़ोगे।

ग. चकमा देना – (धोखा देना)

चाचा जी को चकमा देना आसान नहीं।

घ. आँखें फेर लेना – (बदल जाना)

सुखदेव को आज उधार लेने की जरूरत पड़ी तो रिश्तेदारों ने भी आँखें फेर लीं।

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।

शिक्षक सहायता किताब
हिंदी व्याकरण कक्षा-5

पाठ 1 – भाषा, लिपि और व्याकरण (Language, Script and Grammar)

आइए, अब लिखें-

1. क. मौखिक एवं लिखित ख. भाषा के लिखने का ढंग

ग. क्षेत्र विशेष में बोली जाने वाली भाषा घ. 14 सितंम्बर, 1949 को

2. क. हिंदी ख. राजस्थानी ग. कश्मीरी
घ. मराठी ङ. गुजराती च. मलयालम

3. क. स्वयं कीजिए।

ख. भाषा को शुद्ध रूप से लिखने व बोलने के नियमों को ही व्याकरण कहा जाता है।

ग. भाषा की विशेषताएँ— 1. भाषा सार्थक ध्वनियों के मेल से बनती है।

2. भाषा के द्वारा ही विचारों का आदान-प्रदान संभव है।

3. भाषा के प्रयोग का गौरव केवल मनुष्य को ही प्राप्त है, अन्य प्राणी प्राय: इससे वंचित हैं।

करके देखिए

क. मेरी दीदी जी आई हैं।
ख. उसके पास पाँच रुपए हैं।
ग. चार बालकों ने गीत गाया।
घ. क्या तुम नहा लिए?

पाठ 2 – वर्ण विचार (Phonology)

आइए, अब लिखें-

1. क. आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औख.35 ग. अंत:स्थ

   घ. क्ष, त्र, ज्ञ, श्र ङ. अयोगवाह

2. क. ✓ ख. ✗ ग. ✓

   घ. ✗

3. स्वर — आसमान, आकांक्षा, ईर्ष्या, उन्नति, अभिमान, आज

   व्यंजन — व्यक्ति, हर्ष, विद्यालय, श्रंगार, पराजय, विकसित, पराकाष्ठा, तुम

4. क. स्वर (Vowels) — जो वर्ण किसी अन्य वर्ण की सहायता के बिना बोले जाते हैं, उन्हें स्वर कहते हैं। इन्हें बोलते समय मुँह के अंदर की वायु बिना किसी रुकावट के बाहर निकलती है। हिंदी वर्णमाला में 11 स्वर होते हैं।

   ख. (i) ह्रस्व स्वर (Short Vowels) — जिन स्वरों के बोलने में कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं; ह्रस्व स्वर चार होते हैं; अ, इ, उ, ऋ।

   (ii) दीर्घ स्वर (Long Vowels) — जिन स्वरों के बोलने में समय अधिक लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। दीर्घ स्वर सात होते हैं; आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

   ग. अंत:स्थ व्यंजन (Semi–Vowels) — अंत:स्थ का अर्थ है— मध्य में। जिन व्यंजनों के उच्चारण में जीभ मुँह के अंदर के भागों को बहुत थोड़ा–सा स्पर्श करती है, उन्हें अंत:स्थ व्यंजन कहते हैं। य, र, ल, व, अंत:स्थ व्यंजन हैं।

   घ. स्वयं कीजिए।

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।

पाठ 3 – शब्द–विचार (Morphology)

आइए, अब लिखें-

1. इस्तीफा — त्यागपत्र मरीज — रोगी
   डॉक्टर — चिकित्सक टाइम — समय
   कोर्ट — न्यायालय फीस — शुल्क
   प्रिंसिपल — प्रधानाचार्य स्कूल — विद्यालय
   शादी — विवाह साइंस — विज्ञान
2. क. ✗ ख. ✓ ग. ✓ घ. ✗
3. क. अग्नि, अध्यक्ष, आंरभ

   ख. आग, अँधेरा, कपूत

ग. कपास, परवल, बाजरा

घ. बिस्कुट, आइसक्रीम, इंजीनियर

ङ. तोता, घोड़ा, छत

4. क. दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं। उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के 4 भेद होते हैं।

ख. बनावट के आधार पर शब्द तीन प्रकार के होते हैं—
(क) रूढ़ शब्द (ख) यौगिक शब्द (ग) योगरूढ़ शब्द।

ग. यौगिक शब्द (Compound Words) — जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों के सार्थक खंडों के मेल से बनते हैं, उन्हें यौगिक शब्द कहते हैं; जैसे—
सहपाठी = सह + पाठी मिठाईवाला = मिठाई + वाला

घ. विकारी शब्द (Variable Words) — जिन शब्दों के रूप में वचन, लिंग, पुरुष तथा काल के कारण कुछ विकार पैदा हो जाते हैं, उन्हें विकारी शब्द कहते हैं। संज्ञा, विशेषण और क्रिया विकारी शब्द होते हैं।

संज्ञा – बच्चा, बच्चे
सर्वनाम – वह, उसने
विशेषण – नीला, नीली
क्रिया – पढ़ा, पढ़ी

अविकारी शब्द (Invariable Words) — जिन शब्दों के रूप में प्रयोग करते समय कोई परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं। जो चार प्रकार के होते हैं— क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक और विस्मयादिबोधक।

क्रियाविशेषण – आज नहीं
संबंधबोधक – में, पर
समुच्चयबोधक – और, तथा
विस्मयादिबोधक – अहा, आह।

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।

पाठ 4 – वाक्य विचार (Syntax)

आइए, अब लिखें-

	उद्देश्य	विधेय
1. क.	सूरज	पूरब में निकलता है।
ख.	रात में	तारे चमकते हैं।
ग.	सौरभ	क्रिकेट खेलेगा।
घ.	पुलकित	विद्यालय चला गया।
ङ.	धोबी	कपड़े धो चुका है।

2. क. उद्देश्य ख. विधेय ग. वाक्य

3. क. मनीषा बाजार नहीं गई है।

ख. क्या साधु के पास कमंडल है?

ग. पक्षी घौसलों में रहते हैं।

घ. अंजलि पुस्तक पढ़ो।

4. क. दो या दो से अधिक शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं। जैसे—

(क) संगीता चाय पी रही है।

(ख) हमें प्रदूषण से बचना चाहिए।

ख. वाक्य के दो अंग होते हैं—

1. उद्देश्य 2. विधेय

1. उद्देश्य (Subject) — जिसके बारे में कुछ कहा जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं; जैसे—

(क) प्रधानमंत्रीजी विदेशी दौरे पर हैं।

(ख) कुत्ता वफादार जानवर है।

(ग) तोता 'राम-राम' कह रहा है।

इन वाक्यों में 'प्रधानमंत्रीजी', 'कुत्ता' और 'तोता' उद्देश्य हैं।

2. विधेय (Predicate) — वाक्य में उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाए, उसे विधेय कहते हैं। उपर्युक्त वाक्यों में विदेशी दौरे पर हैं', 'वफादार जानवर है' और 'राम-राम कह रहा है' विधेय हैं।

समझिए—	उद्देश्य	विधेय
1. राम ने रावण को मारा।	1. राम ने	रावण को मारा।
2. पांडु-पुत्र पांडव कहलाए।	2. पांडु-पुत्र	पांडव कहलाए।
3. सिंह जंगल में दहाड़ता है।	3. सिंह	जंगल में दहाड़ता है।

ग. वाक्य चार प्रकार के होते हैं।

घ. नकारात्मक वाक्य (Negative Sentence) — जिन वाक्यों में क्रिया के न करने या न होने का कथन हो, उन्हें नकारात्मक वाक्य कहते हैं; जैसे—

(क) छात्र पुस्तक नहीं पढ़ रहे हैं। (ख) शीला दूध नहीं पी रही है।

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।

पाठ 5 – संज्ञा (Noun)

आइए, अब लिखें-

1. क. पुरुषवाचक ख. गंगा और गीता ग. महानगर

2. कोलकाता — व्यक्तिवाचक संज्ञा
   हँसी — भाववाचक संज्ञा
   बकरी — व्यक्तिवाचक संज्ञा
   रूमाल — व्यक्तिवाचक संज्ञा
   राणा प्रताप — व्यक्तिवाचक संज्ञा

3. क. भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun) — किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण, दोष, अवस्था, व्यापार, भाव आदि का परिचय देने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे— बचपन, बुढ़ापा, सुंदरता, मिठास इत्यादि।

   ख.जातिवाचक संज्ञा (Common Noun) — जो संज्ञा शब्द संम्पूर्ण जाति, वर्ग या समुदाय का बोध करवाते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। दूसरे शब्दों में, एक ही प्रकार के प्राणी, स्थान या वस्तुओं के नाम (जाति) का परिचय देने वाले संज्ञा शब्द, जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे— राजनेता, मकान, खिलाड़ी, महानगर, नदी, पुस्तक इत्यादि।

4. फ्रांस, मछुआ

   कुर्ता, लक्ष्मीबाई, शशांक, हिमालय, गोदावरी, भारत, गाय।

करके देखिए

- स्वयं कीजिए।

पाठ 6 – लिंग, वचन और कारक (Gender, Number and Case)

आइए, अब लिखें-

1. क. सभी ख. कोई नहीं ग. रोटियाँ घ. कोई नहीं

2. स्त्रीलिंग — चुहिया, नदी, सूरत, चम्मच, कटोरी, बरफी, चाबी, कुर्सी
   पुल्लिग — चाँद, शेर, हाथी, थाल, समोसा, मेज, रसगुल्ला

3. मछली — मछलियाँ कुरता — कुर्ते
   पूरी — पूरियाँ कला — कलाएँ
   रुपया — रुपये आँख — आँखें
   रोटी — रोटियाँ बेटा — बेटे

4. संज्ञा तथा सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के किसी शब्द के साथ उसका संबंध दर्शाया जाए उसे कारक कहते हैं।

करके देखिए

- का— मोहन का घर बहुत बड़ा है।

  के लिए— सीमा ने सोहन के लिए खीर बनायी।

  से— शाली ने भोलू से कुछ पैसे उधर लिए।

  हे— हे राम! मेरे कष्ट दूर करो।

पाठ 7 – सर्वनाम (Pronoun)

आइए, अब लिखें-

1. क. सर्वनाम ख. निश्चयवाचक ग. संबंधवाचक
   घ. निजवाचक
2. क. मेरे ख. वह ग. मुझे
   घ. हमें
3. क. हम ख. वह ग. मेरा
   घ. तुम, मेरे
4. क. सर्वनाम मुख्यत: छ; प्रकार के होते हैं— पुरूषवाचक, निश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, अनिश्चयवाचक, संबंधवाचक, निजवाचक सर्वनाम।

   ख. अनिश्चयवाचक सर्वनाम — जिन सर्वनाम शब्दों से किसी अनिश्चित व्यक्ति, वस्तु या घटना का आभास मिले, वहाँ अनिश्चयवाचक सर्वनाम होता है, जैसे—

   (क) दाल में कुछ गिरा है।

   (ख) आज कोई आएगा।

   (ग) किसी ने मुझे आवाज दी है।

पाठ 8 – विशेषण (Adjective)

आइए, अब लिखें-

1. क. विशेषण ख. प्रविशेषण ग. विशेष्य
2. विशेषण — विशेष्य
   कर्कश — धूप
   सुनहरी — किरण
   गुनगुनी — आवाज
   गर्म — रजाई
   काली — रात
3. क. प्रिय ख. विशाल ग. हरी
   घ. दो ङ. नटखट
4. क. ऊँचा — पहाड़ ख. ताजा — सेब

ग. लंबा — आदमी घ. नया — कपड़ा

ङ. खट्टा — आम च. पुराना — स्वेटर

छ. मीठा — अमरूद ज. पहला — इंजीनियर

झ. रसीला — रसगुल्ला ञ. अंतिम — क्षण

5. क. संख्यावाचक विशेषण (Numeral Adjective) — जिन विशेषण पदों से संज्ञा और सर्वनाम संख्या का पता चलता है, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं; जैसे— चार बच्चे झूला झूल रहे हैं। संजना के पास कुछ रुपए हैं। इन वाक्यों में 'चार' और 'कुछ' संख्यावाचक विशेषण हैं।

ख. गुणवाचक विशेषण (Qualitative Adjective) — जिन विशेषण पदों से संज्ञा और सर्वनाम के गुण, दोष, रूप, रंग, आकार और स्थान आदि विशेषताओं का पता चलता है,उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे— 'पुराने' अखबार बेच देना, 'आलसी' व्यक्ति सफल नहीं होते हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में 'पुराने' और 'आलसी' शब्द गुणवाचक विशेषण हैं क्योंकि ये क्रमश: अखबार और व्यक्ति के गुणों को व्यक्त कर रहे हैं।

करके देखिए

- क. श्रेष्ठतम, मधुरतम, कटुत्तम, उच्चतम
- ख. साहसी— सोहन एक साहसी लड़का है।
  ग. शर्मीला— राहुल बहुत शर्मीला है।
- घ. वाकपुट— निशा कक्षा में सबसे अधिक वाकपुट है।

पाठ 9 - क्रिया (Verb)

आइए, अब लिखें-

1. क. क्रिया ख. उपरोक्त दोनों ग. सकर्मक
2. क. भाषण — देना
   ख. पत्र — लिखना
   ग. सच — बोलना
   घ. सब्जी — पकाना
   ङ. गीत — गाना
   च. नृत्य — करना
3. चल — चलना, चलता, चलेगा
   लिख — लिखना, लिखता, लिखेगा
   पढ़ — पढ़ना, पढ़ता, पढ़ेगा
   रो — रोना, रोया, रोयेगा
   हँस — हँसना, हँसा, हँसता
4. क. शुभ्रा पत्र लिखेगी। ख. भीड़ जमा हो गयी।

ग. तुम कहाँ रहोगे? घ. जलेबी ठंडी हो गयी।

5. सकर्मक क्रिया — वाक्य में जब क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग होता है तो वह सकर्मक क्रिया कहलाती है; जैसे— (क) कौआ पानी पीता है। (ख) हाथी केले खाता है।

   अकर्मक क्रिया — जिस क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग नहीं होता, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं, जैसे— (क) शेखर हँसता है। (ख) निधि खाती है।

करके देखिए

- सकर्मक क्रियाएँ – (ग), (घ), (च)
- अकर्मक क्रियाएँ – (क), (ख), (ड़)।

पाठ 10 – काल और वाच्य (Tense and Voice)

आइए, अब लिखें-

1. क. जिन शब्दों से किसी कार्य, घटना अथवा अस्तित्व का बोध हो, क्रिया कहलाते हैं।
   ख. क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं।
   ग. काल के तीन भेद हैं— (1) भूतकाल (2) वर्तमान काल (3) भविष्यत् काल।
   घ. क्रिया के जिस रूप से कार्य के करने या होने का बोध होता है, वह काल कहलाता है।
2. क. अकर्मक ख. सकर्मक
   ग. अकर्मक घ. सकर्मक
3. क. खेलता- वर्तमान काल ख. जाएगा- भविष्यत् काल
   ग. देख लिया- भूतकाल घ. गा रहा- वर्तमान काल
4. क. शायद मनीष खेलेगा। ख. यदि गीता सो रही होती तो चोर पकड़ा न जाता।
   ग. अशोक खाना खा रहा था। घ. बच्चे गाना गा रहे थे।
5. क. भाववाच्य ख. कर्मवाच्य
   ग. कर्तृवाच्य घ. कर्तृवाच्य

पाठ 11 – विराम चिह्न (Punctuation Marks)

आइए, अब लिखें-

1. क. रुकना ख. ; ग. योजक चिह्न
2. प्रश्नसूचक चिह्न, अल्पविराम, अर्धविराम, उद्धरण चिह्न, निर्देशक चिह्न
3. ({()}), (“ ”/‘ ’), !, ?

करके देखिए

स्वयं कीजिए

पाठ 12 – शब्द भंडार (Vocabulary)

आइए, अब लिखें-

1. क. शिव ख. मकान ग. आदेश
2. क. विष ख. बेईमान
   ग. नकद घ. दानी
   ङ चेतन च. ठोस
   छ. स्वच्छ ज. सचेत
   झ. भक्षक ञ. परतंत्र
3. क. देवता ख. भ्रमर ग. हेम घ. हलधर ङ. राक्षस च. अहि छ. निशा ज. समीर झ. पावक ञ. सरोवर ट. अभिलाषा ठ. वार
4. स्वयं कीजिए।
5. ग्रह – अंतरिक्ष दिन – दिवस पिता – पितृ
   गृह– घर दीन – दयालु पीता – पीना
   कुल – वंश नीड़ – रहने, बैठने का स्थान
   बेल – लता
   कूल – किनारा नीर – जल बैल – पशु
6. क. स्त्री, इस्त्री ख. समान, सामान ग. बाहर, बहार घ. राज, राज़
7. व्याकरण, प्रार्थना, प्रयोग, कृपया, परीक्षा
   पुस्तक, पंक्तियाँ, विषय, उदाहरण, स्वादिष्ट

पाठ 13 – शुद्ध वाक्य प्रयोग (Use of Correct Sentences)

आइए, अब लिखें-

1. क. क्या तुम मुझे मिठाई नहीं दोगी?
   ख. तुम मुझसे क्या चाहते हो?
   ग. मैंने उसे अनेक बार समझा दिया है।
   घ. यहाँ एक नदी कल-कल करके बहती थी।
   ङ. हमने आपकी बहुत बातें सुन लीं।

Note

Note